Bachelor of Commerce (B.Com.) Semester-II Examination

PRINCIPLES & PRACTICE OF INSURANCE—II

Optional

Vocational Group—II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **ALL** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

1. (a) Define 'Insurance Agent'. Find out the norms according to Insurance Act to become Insurance Agent. 8

   (b) Write a note on code of conduct for Insurance Agent. 8

OR

   (c) State the qualifications and disqualifications for appointment as an insurance agent. 8

   (d) State the need of training for agent for increasing insurance business. 8

2. (a) Write note on organisational structure of L.I.C. of India. 8

   (b) Mention the objectives and working of L.I.C. of India. 8

OR

   (c) Discuss the Historical Development of insurance business in India. 8

   (d) Detail out accounting procedure for life insurance business. 8

3. (a) Write on progress of life insurance business in India. 8

   (b) State the role of IRDA in appointment of agents. 8

OR

   (c) "The role of IRDA is very crucial in insurance progress." Explain. 8

   (d) Explain the future of Indian insurance business in perspective of globalisation. 8

4. (a) Give the salient features of Life Insurance Act 1938. 8

   (b) Explain the procedure for investment of life insurance fund. 8

OR

   (c) Comment on the provisions of Life Insurance Act 1956. 8

   (d) Discuss the strategies for marketing of insurance product. 8

5. Answer in brief :

   (a) Write essential qualities for a successful insurance agent.

   (b) How financial statement of life insurance organisation is analysed ?

   (c) State various objectives of IRDA.

   (d) Which are the different types of insurance fund ? 4×4=16

Bachelor of Commerce (B.Com.) Semester-II Examination

PRINCIPLES & PRACTICE OF INSURANCE—II

Optional

Vocational Group—II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **ALL** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

(मराठी माध्यम)

1. (अ) "विमा अभिकर्ता" व्याख्या करा. विमा अभिकर्ता होण्या साठी वीमा कायद्यानुसार अटी सांगा. 8

(ब) 'विमा अभिकर्ता' करिता नियमावली वर टिपण लिहा. 8

किंवा

(क) 'विमा अभिकर्ता' नेमणुकीची पात्रता आणि अयोग्यता विशद करा. 8

(ड) विमा व्यवसाय वृद्धी साठी अभिकर्त्याला प्रशिक्षणाची गरज सांगा. 8

2. (अ) भारतीय जीवन विमा निगमची संघटनात्मक संरचनावर टिपण लिहा. 8

(ब) भारतीय जीवन विमा निगमाची उद्दिष्टे आणि कार्यप्रणाली नमूद करा. 8

किंवा

(क) भारतात विमा व्यवसायाचा ऐतिहासिक विकासावर चर्चा करा. 8

(ड) जीवन विमा व्यवसाय लेखांकन प्रक्रिया विस्तृत करा. 8

3. (अ) भारतीय जीवन विमा व्यवसायाचे प्रगती लिहा. 8

(ब) विमा नियमन आणि विकास प्राधीकरण (IRDA) ची अभिकर्ता नेमणुकीत भूमिका सांगा. 8

किंवा

(क) "विमा प्रगतीव IRDA ची महत्वाची भूमिका आहे." स्पष्ट करा. 8

(ड) जागतीकरण प्रगतीसाठी भारतीय विमा व्यवसायाचा भविष्य विशद करा. 8

4. (अ) जीवन विमा अधिनियम 1938 चे ठळक लक्षणे द्या. 8

(ब) जीवन विमा निधिच्या गुंतवणुक कार्यपद्धती स्पष्ट करा. 8

किंवा

(क) जीवन विमा अधिनियम 1956 च्या तरतूदी वर भाष्य करा. 8

(ड) विमा उत्पादाची विपणी व्युहरचने वर चर्चा करा. 8

5. संक्षिप्त उत्तरे लिहा :

(अ) यशस्वी विमा अभिकर्त्याचे आवश्यक गुण लिहा.

(ब) जीवन विमा संगठना वित्तीय विवरण कशी वर्गीकृत करते ?

(क) I.R.D.A. ची विविध उद्दिष्टे सांगा ?

(ड) वीमा निधि ची विविध प्रकार कोणती आहेत ? 4×4=16

Bachelor of Commerce (B.Com.) Semester-II Examination

PRINCIPLES & PRACTICE OF INSURANCE—II

Optional

Vocational Group—II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :— (1) **ALL** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

(हिन्दी माध्यम)

1. (अ) "बीमा अभिकर्ता" परिभाषित कीजिये। बीमा अभिकर्ता बनने हेतु बीमा कानून की शर्तें बतलाइये। 8

(ब) 'बीमा अभिकर्ता' की नियमावली पर टिप्पणी लिखिये। 8

अथवा

(क) 'बीमा अभिकर्ता' चयन की योग्यता एवं अयोग्यता विशद कीजिये। 8

(ड) बीमा व्यवसाय वृद्धि हेतु अभिकर्ता के प्रशिक्षण की आवश्यकता बतलाइये। 8

2. (अ) भारतीय जीवन बीमा निगम की संगठनात्मक संरचना पर टिप्पणी लिखिये। 8

(ब) भारतीय जीवन बीमा निगम उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली दर्शाइये। 8

अथवा

(क) भारत में बीमा व्यवसाय के ऐतिहासिक विकास पर चर्चा कीजिये। 8

(ड) जीवन बीमा व्यवसाय लेखांकन प्रक्रिया विस्तृत कीजिये। 8

3. (अ) भारतीय जीवन बीमा व्यवसाय की उन्नति लिखिये। 8

(ब) बीमा नियमन एवं विकास प्राधिकरण (IRDA) की अभिकर्ता चयन में भूमिका बतलाइये। 8

अथवा

(क) "बीमा उन्नति में IRDA की महत्वपूर्ण भूमिका है।" स्पष्ट कीजिये। 8

(ड) वैश्वीकरण उन्नति हेतु भारतीय बीमा व्यवसाय का भविष्य विशद कीजिये। 8

4. (अ) जीवन बीमा अधिनियम 1938 के मुख्य लक्षण विशद कीजिये। 8

(ब) जीवन बीमा निधि की विनियोजन कार्यप्रणाली स्पष्ट कीजिये। 8

अथवा

(क) जीवन बीमा अधिनियम 1956 के प्रावधानों पर भाष्य कीजिये। 8

(ड) बीमा उत्पाद विपणन मोर्चाबंदी पर चर्चा कीजिये। 8

5. संक्षिप्त उत्तर लिखिये :

(अ) सफल बीमा अभिकर्ता के आवश्यक गुण लिखिये।

(ब) जीवन बीमा संगठन वित्तीय विवरण कैसे वर्गीकृत करते हैं ?

(क) I.R.D.A. के विभिन्न उद्देश्य बतलाइये।

(ड) बीमा निधि के विभिन्न प्रकार कौनसे हैं ? 4×4=16